लखनऊ में शनिवार को दैनिक जागरण द्वारा आयोजित ग्रीन भारत समिट में बोलते केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, साथ में दैनिक जागरण के प्रबंध संपादक तरुण गुप्त व नेशनल ब्यूरो हेड आशुतोष झा ● जागरण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पेंटिंग देती छात्रा महक कुरुहारा ● जागरण >>

'गिलहरी प्रयास' से मिलेगा अर्थव्यवस्था व पर्यावरण का लक्ष्य

सत्र ● सुदृढ़ अर्थव्यवस्था स्वच्छ पर्यावरण

नवेन्द्र शाहदेव ● जागरण

लखनऊ : समुद्र पर सेतु बनाने के लिए श्रीराम की सेना में बंदर-भालुओं के साथ गिलहरी ने भी योगदान दिया था। तिनका भर ही सही, किंतु गिलहरी की भांति बेहतर अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी को भूमिका निभानी होगी। 'दैनिक जागरण ग्रीन भारत समिट' में 'सुदृढ़ अर्थव्यवस्था- स्वच्छ पर्यावरण' पर चर्चा छिड़ी तो आर्थिकी के नए आयाम प्रशस्त हुए, साथ ही पर्यावरण संरक्षण के सबक भी मिले।

सत्र के खेवनहार दैनिक जागरण के वरिष्ठ उप समाचार संपादक पवन तिवारी ने संचालन की कला से

इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश

वक्ताओं को विषय से जोड़ा। पहला प्रश्न किया- एआइ किस प्रकार से पर्यावरण में उपयोगी है? इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश ने बताया कि एआइ टूल का उपयोग पौधों के संरक्षण के लिए कर रहे हैं। जीपीएस मैप के जरिये इसकी निगरानी की जा रही है। पवन तिवारी ने हाल ही में गूगल मैप के सहारे जा रहे लोगों के साथ बरेली में हुई घटना का उदाहरण देकर पूछा कि ह्यूमन इंटरफेस को खत्म करना कितना कारगर होगा? अभिषेक ने कहा कि डिसीजन मेकर मानव ही होंगे।

पवन अब उत्तर प्रदेश वन निगम के प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी से मुखातिब हुए। प्रश्न किया- ईको टूरिज्म की दिशा में वन निगम के प्रयास कितने सार्थक हुए? चौधरी ने पीलीभीत, दुधवा, अमनगढ़ के साथ चित्रकूट के शनीपुर टाइगर रिजर्व का उदाहरण देते हुए कहा कि इन सभी को पर्यटकों से जोड़ा जा रहा है। हमारे 14 पक्षी विहार भी हैं। इनकी बुकिंग भी आनलाइन होती है।

चर्चा ई-वाहकों की ओर मुड़ी। कहा जा रहा है कि सितंबर 2025 तक अशोक लीलैंड की ई-वाहकों आने लगेंगी, क्या हम सही दिशा में हैं? अशोक लीलैंड के महाप्रबंधक शक्ति सिंह ने कहा कि उम्मीद है कि 20 अक्टूबर तक पहली गाड़ी बना लेंगे। शक्ति सिंह ने बताया कि हमारे प्लांट से कोई भी वेस्ट बाहर नहीं जाएगा। अशोक लीलैंड हिंदुजा ग्रुप यह प्रयास कर रहा है कि वेस्ट बैटरी के 90 प्रतिशत सामानों का उपयोग नई बैटरी में कर सकें। ऐसे गिलहरी प्रयास से ही आर्थिकी और पर्यावरण के लक्ष्य पूरे होंगे।

दिल्ली गैस चैंबर बन गई है। लखनऊ के हालात क्या हैं? कैजीएमयू के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डा. सूर्यकांत ने कहा कि 28 नवंबर को लखनऊ का एक्यूआइ 190 था। अगर 100 से अधिक एक्यूआइ है तो मास्क के बिना बाहर न निकलें। उत्तर प्रदेश वन निगम के प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी ने प्रजेंटेशन से बताया कि 35 करोड़ पौधे प्रति वर्ष लगाने का लक्ष्य है।

कंप्रेस्ड बायो गैस के सर्वाधिक प्लांट यूपी में : योगी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ: होटल हयात रीजेंसी में आयोजित ग्रीन भारत समिट' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में नवीकरणीय व सौर स्रोतों से सात हजार मेगावाट बिजली अगले एक-डेढ़ वर्ष में मिलनी शुरू हो जाएगी। हमने भी रिन्यूएबल, ग्रीन एनर्जी व कंप्रेस्ड बायो गैस की अलग-अलग नीतियां तैयार की हैं। देश में कंप्रेस्ड बायो गैस के सर्वाधिक प्लांट यूपी में लगे हैं। इसके तहत उत्पादन आधारित प्रोत्साहन भी दिए जा रहे हैं। 2017 में सरकार बनने के बाद हम लोगों ने अभियान चलाकर 16 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइट लगवाई। इससे कार्बन उत्सर्जन में 9.4 लाख टन की कमी हुई। नगरीय निकायों को 968 करोड़ रुपये की बचत भी हुई। कार्बन उत्सर्जन को कम करने में हम सभी सहभागी बन सकते हैं।

समिट में सवाल पूछते सुलतानपुर के रमेश चंद्र जायसवाल ● जागरण

इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से बढ़ रहा बाजार

सत्र चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर हरित दृष्टिकोण में प्रो. कमल किशोर पंत ने रखे विचार

विवेक राय ● जागरण

लखनऊ: भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 2024 में 11.35 बिलियन अमेरिकी डालर का हो गया है। अगले दस वर्षों में, यानी 2034 तक, इसके 1,053.10 बिलियन अमेरिकी डालर तक पहुंचने का अनुमान है। यह तेजी अवसरों के साथ-साथ चुनौतियां भी लेकर आ रही है। इनमें सबसे बड़ी चुनौती है बैटरियों के सीमित स्टाक और उनके अपशिष्ट प्रबंधन की। इन समस्याओं से निपटने के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था को अपनाना आवश्यक है।

शनिवार को दैनिक जागरण ग्रीन भारत समिट में आइआइटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर हरित दृष्टिकोण विषय पर कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य उद्योगों के तेजी से विस्तार के साथ

समिट को संबोधित करते आइआइटी रुड़की के निदेशक प्रो.केके पंत ● जागरण

पर्यावरणीय चुनौतियां भी बढ़ रही है। भारत ने 2070 तक कार्बन उत्सर्जन में नेट जीरो का लक्ष्य रखा है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए सतत विकास और नवीकरणीय ऊर्जा के साथ-साथ ठोस कचरे (सालिड वेस्ट) के प्रभावी प्रबंधन की जरूरत है। उन्होंने ई-वाहनों से निकलने वाली बैटरी और कचरा प्रबंधन के लिए 'चार आर' का मंत्र दिया। रा मटीरियर, रिडयूस, रीयूज और रीसाइकिल। इसके तहत अपशिष्ट कम करना, पुनः उपयोग, रिसाइक्लिंग और ऊर्जा व संसाधनों के कुशल उपयोग पर जोर दिया गया। कहा कि ठोस कचरे के प्रबंधन की शुरुआत घर से ही होनी चाहिए। बैटरियों, धातुओं और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को सुरक्षित और टिकाऊ तरीके से निपटाना अनिवार्य है। भारत में लीथियम जैसी दुर्लभ धातु की उपलब्धता सीमित है। यह स्थिति इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों के निर्माण और प्रबंधन के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि सोडियम-आधारित बैटरियों का विकास इस समस्या का एक समाधान हो सकता है। इसके अलावा, बैटरियों के घटकों, जैसे कैथोड और एनोड के सुरक्षित निपटान और पुनर्चक्रण के लिए नई तकनीक विकसित करनी होगी। बैटरियों के निर्माण और उनके निपटान से होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इनमें इस्तेमाल होने वाले एसिड जल स्रोतों को प्रदूषित कर सकते हैं। इसका समाधान नई तकनीकों के विकास और उद्योगों को प्रशिक्षित करके किया जा सकता है। प्रो. पंत ने कहा कि स्मार्ट सिटी के विकास में प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग करना होगा। साथ ही, सर्कुलर अर्थव्यवस्था को अपनाने के लिए रीसाइक्लिंग और कचरा प्रबंधन पर जोर देना होगा। सुझाव दिया कि सोसाइटी में रेवेन्यू और पेनाल्टी आधारित प्रोत्साहन प्रणाली लागू की जाए। स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण और समर्थन देने पर भी जोर दिया। प्रो. पंत ने कहा कि आइआइटी रुड़की और आइआइटी दिल्ली मिलकर टिकाऊ तकनीकों के विकास पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने ठोस कचरे के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीयकृत डेटाबेस तैयार करने का सुझाव दिया। चक्रीय अर्थव्यवस्था न केवल पर्यावरण संरक्षण बल्कि आर्थिक समृद्धि का मार्ग भी है। प्रो. पंत ने कहा कि वर्तमान समय चुनौतियों और अवसरों का संगम है। नवाचार और रीसाइक्लिंग अपनाते हैं तो अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को चुनौती देगा यूपी

सत्र ● उत्तर प्रदेश : एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

नवेन्द्र शाहदेव ● जागरण

लखनऊ : वित्तीय वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य एक ट्रिलियन डालर रखा गया था। तब से इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। 27 सेक्टर की पालिसी अपग्रेड की गई है। अभी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में तीसरे नंबर पर यानी तमिलनाडु से नीचे है, जबकि महाराष्ट्र पहले पायदान पर है। अगले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था महाराष्ट्र के आसपास होगी और वर्ष 2032 तक हम महाराष्ट्र को चुनौती दे रहे होंगे। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने शनिवार को 'दैनिक जागरण ग्रीन भारत समिट' में अपने प्रजेंटेशन में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का खाका खींचा। उन्होंने अतीत पर प्रकाश डालने के साथ कामान और भविष्य की अर्थव्यवस्था की संकल्पना भी बताई।

अवनीश अवस्थी ने बताया कि फरवरी 2023 में आयोजित उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव आए थे। इस वर्ष 2024 में इसकी ग्राउंडिंग यानी

प्रजेंटेशन देते अवनीश अवस्थी

- मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी का आर्थिकी पर प्रजेंटेशन
- अतीत पर प्रकाश डालने के साथ भविष्य की संकल्पनाएं भी बताईं

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की गई। इसमें 10 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट और 2.30 लाख करोड़ रुपये के प्रोडक्शन शुरू हुए। अवस्थी ने कहा कि अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पूरा करने के लिए विस्तरीय व्यवस्था बनाई गई है। इसकी निरंतर निगरानी के लिए विशेषज्ञ संस्था डिलाइट को जिम्मा सौंपा गया है। मुख्यमंत्री स्वयं समय-समय पर समीक्षा कर रहे हैं। ईवी, सोलर एनर्जी, कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी), इंडस्ट्री, फूड, ड्रग, आइटी सहित 27 सेक्टर की पालिसी बेहतर बनाई गई है। केंद्र सरकार ने डिस्ट्रिबूट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को अनुमति दे दी है। अब उत्तर प्रदेश में हर जिले का आर्थिक मेजरमेंट किया जा रहा है।

जेवर से जा सकेंगे अमेरिका

अवनीश अवस्थी ने कहा कि किसी भी प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता भूमि की है। इसका उदाहरण है जेवर एयरपोर्ट। वर्ष 1997 से जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन निर्माण अब शुरू हो पाया। कारण, तब भूमि की व्यवस्था नहीं हो पाई थी। अब अमेरिका जाने के लिए आपको दिल्ली या गुरुग्राम नहीं जाना होगा। सीधे जेवर एयरपोर्ट से जा सकेंगे।

अवनीश अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है। इससे पहले देश की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डालर तक पहुंचानी है। अभी देश की अर्थव्यवस्था जापान व जर्मनी के आस-पास है। देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में उत्तर प्रदेश का बड़ा योगदान होगा। अभी हमारे यहां 56 प्रतिशत वर्किंग पापुलेशन (कामकाजी लोग) है। अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में सभी को योगदान देना होगा। प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ानी होगी। इससे पहले दैनिक जागरण कानपुर के वरिष्ठ महाप्रबंधक (विपणन) अनिल सेंगर ने अवनीश अवस्थी को अंगवस्त्र भेंटकर उनका अभिवादन किया।